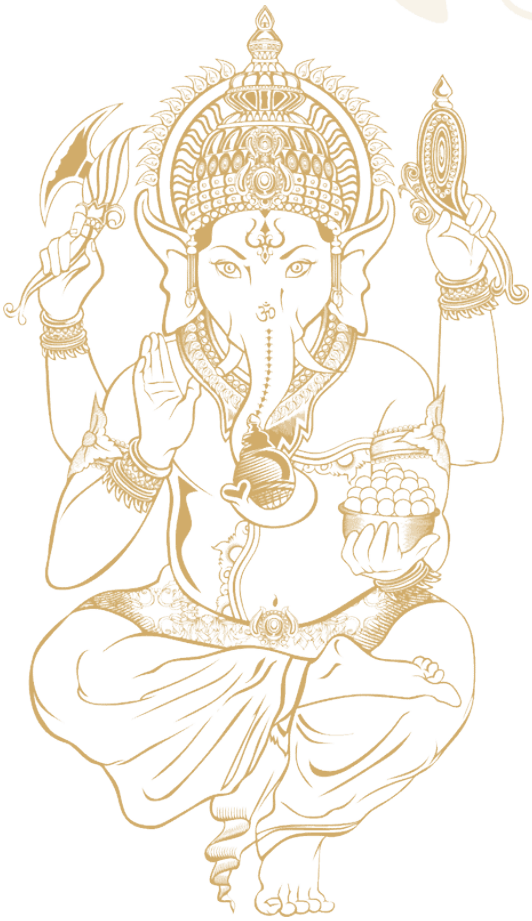

Pankaj Rai

06 Jun 1983

05:00 PM

Siwan

Model: Web-VarshKundli

Order No: 120570901

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
06/06/1983	जन्म तिथि	**06/06/2025**
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:00:04	जन्म समय	11:21:22 घंटे
घटी 30:00:24	जन्म समय(घटी)	15:53:47 घटी
India	देश	India
Siwan	स्थान	Siwan
उत्तर 26:14:00	अक्षांश	26:14:00 उत्तर
पूर्व 84:21:00	रेखांश	84:21:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:07:24	स्थानिक संस्कार	00:07:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
04:59:54	सूर्योदय	04:59:51
18:42:32	सूर्यास्त	18:42:53
23:37:14	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:46
वृश्चिक	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मीन	राशि	कन्या
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
रेवती	नक्षत्र	चित्रा
बुध	नक्षत्र स्वामी	मंगल
2	चरण	1
सौभाग्य	योग	वरियान
विष्टि	करण	वणिज
दो-दौलत	जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
गज	योनि	व्याघ्र
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मूषक
42	गत/तत्कालिक वर्ष	43

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
विशाखा	4	00:18:11	वृश्चि			लग्न			सिंह	15:17:20	1	पू०फाल्गुनी
रोहिणी	4	21:34:54	वृष			सूर्य			वृष	21:34:54	4	रोहिणी
रेवती	2	21:23:06	मीन			चंद्र			कन्या	25:41:40	1	चित्रा
रोहिणी	4	20:47:15	वृष		अ	मंगल			कर्क	29:39:52	4	आश्लेषा
कृतिका	1	27:59:11	मेष			बुध		अ	मिथु	00:10:09	3	मृगशिरा
अनुराधा	3	11:14:04	वृश्चि	व		गुरु			मिथु	04:57:57	4	मृगशिरा
पुष्य	1	06:36:37	कर्क			शुक्र			मेष	05:50:05	2	अश्विनी
चित्रा	4	04:36:20	तुला	व		शनि			मीन	06:36:07	1	उ०भाद्रपद
मृगशिरा	3	01:30:46	मिथु	व		राहु	व		कुंभ	29:40:53	3	पू०भाद्रपद
मूल	1	01:30:46	धनु	व		केतु	व		सिंह	29:40:53	1	उ०फाल्गुनी
अनुराधा	3	13:08:27	वृश्चि	व		मु			वृष	00:18:11	2	कृतिका

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

वर्ष - विवरण

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:46

लग्न-चलित

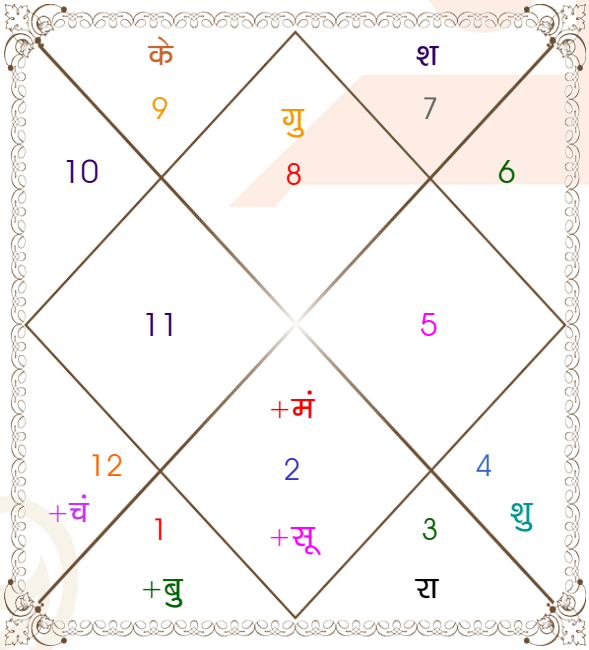

वर्ष लग्न कुंडली

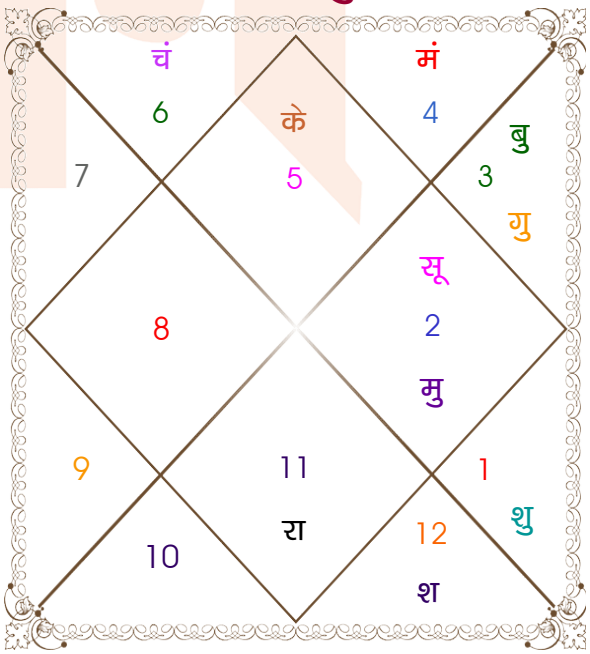

चन्द्र कुंडली

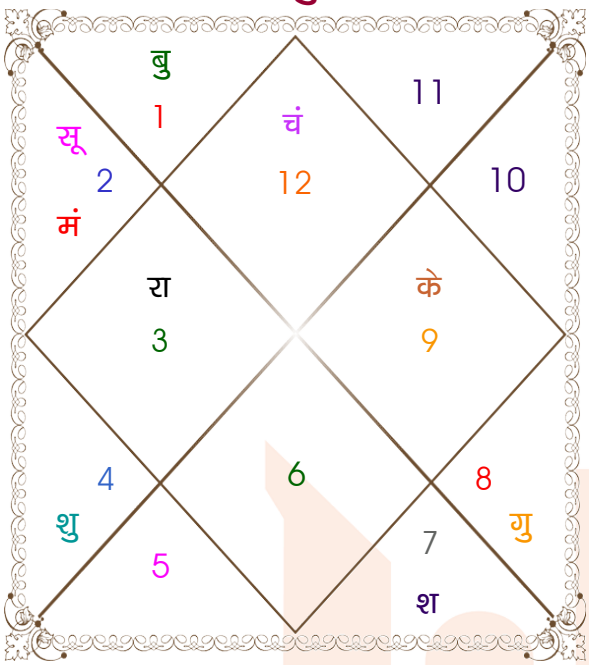

वर्ष चन्द्र कुंडली

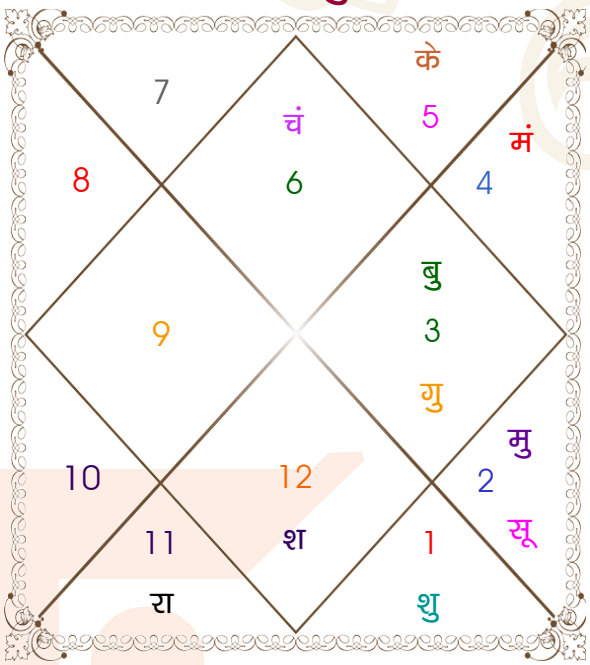

नवमांश कुंडली

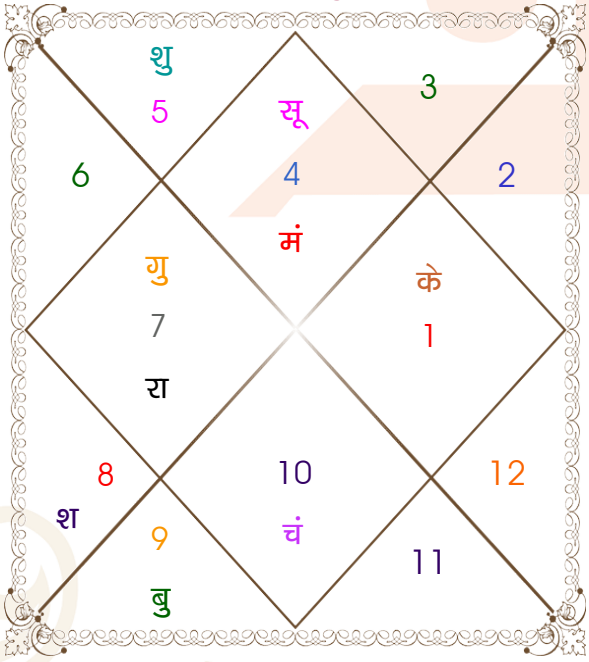

वर्ष नवमांश कुंडली

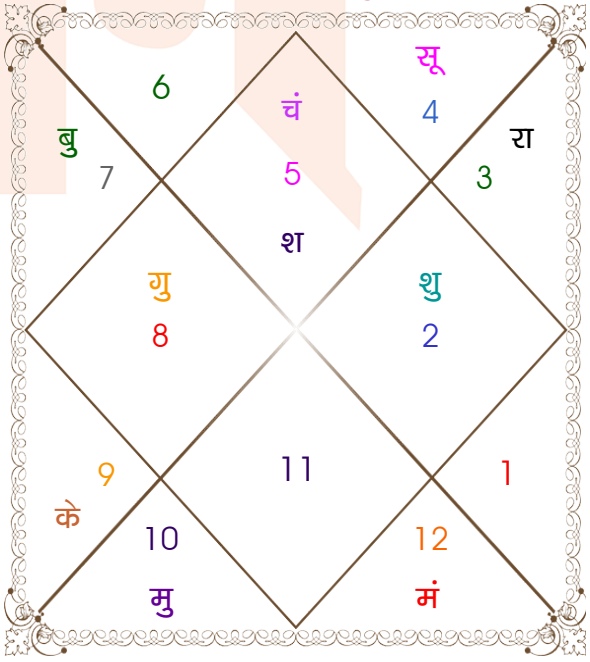

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	सम	सम	मित्र
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	सम	शत्रु	सम	---	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	सम	शत्रु	सम	शत्रु	---	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	---	सम
शनि	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	वृष	कन्या	कर्क	मिथु	मिथु	मेष	मीन
होरा	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	धनु	मक	कन्या	कर्क	धनु	धनु	मेष	मक
चतुर्थांश	कुंभ	वृश्चि	मिथु	मेष	मिथु	मिथु	मेष	मीन
पंचमांश	धनु	मक	वृश्चि	वृश्चि	मेष	मेष	मेष	कन्या
षष्ठांश	कर्क	कुंभ	मीन	मीन	मेष	मेष	वृष	वृश्चि
सप्तमांश	वृश्चि	मेष	सिंह	कर्क	मिथु	कर्क	वृष	तुला
अष्टमांश	धनु	मक	वृश्चि	वृश्चि	वृष	मिथु	वृष	मिथु
नवमांश	सिंह	कर्क	सिंह	मीन	तुला	वृश्चि	वृष	सिंह
दशमांश	मक	सिंह	मक	धनु	मिथु	कर्क	वृष	मक
एकादशांश	धनु	वृश्चि	वृष	मेष	वृष	मिथु	वृष	मेष
द्वादशांश	कुंभ	मक	कर्क	मिथु	मिथु	कर्क	मिथु	वृष

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	शत्रु
होरा	स्व	मित्र	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
द्रेष्काण	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	मित्र	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	मित्र	मित्र	स्व	सम	सम	शत्रु	शत्रु
षष्ठांश	मित्र	शत्रु	सम	सम	सम	स्व	मित्र
सप्तमांश	मित्र	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु	स्व	सम
अष्टमांश	मित्र	मित्र	स्व	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु
नवमांश	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	स्व	मित्र
दशमांश	स्व	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	स्व	स्व
एकादशांश	मित्र	सम	स्व	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र
द्वादशांश	मित्र	स्व	सम	स्व	शत्रु	मित्र	सम
शुभ	11	6	8	8	1	7	5
सम	1	1	4	3	4	1	2
अशुभ	0	5	0	1	7	4	5
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	सम

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	5	0	0	0
तृतीय बल	5	5	5	0	5	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	5	10	5	15	5	5
बल	सामान्य	क्षीण	सामान्य	क्षीण	बली	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	7.50	22.50	30.00	7.50	7.50	7.50
उच्च बल	15.38	4.15	0.18	8.35	16.66	19.02	4.82
हददा बल	11.25	11.25	11.25	15.00	3.75	11.25	7.50
द्रेष्काण	7.50	2.50	7.50	2.50	10.00	2.50	10.00
नवमांश	3.75	3.75	2.50	3.75	2.50	5.00	3.75
कुल	52.88	29.15	43.93	59.60	40.41	45.27	33.57
विंशोपक	13.22	7.29	10.98	14.90	10.10	11.32	8.39
बल	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	मंगल	10.98	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	13.22	अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शुक्र	11.32	अतिशुभ	सूर्य
दिवापति	शुक्र	11.32	अतिशुभ	
त्रिराशिपति	गुरु	10.10	शुभ	

पात्यंश दशा

बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न
06/06/2025	**08/06/2025**	**06/08/2025**	**17/08/2025**	**26/08/2025**
08/06/2025	**06/08/2025**	**17/08/2025**	**26/08/2025**	**11/12/2025**
06/06/2025	गुरु 18/06/2025	शुक्र 06/08/2025	शनि 17/08/2025	लग्न 27/09/2025
06/06/2025	शुक्र 19/06/2025	शनि 07/08/2025	लग्न 20/08/2025	सूर्य 19/10/2025
06/06/2025	शनि 21/06/2025	लग्न 10/08/2025	सूर्य 22/08/2025	चंद्र 03/11/2025
06/06/2025	लग्न 08/07/2025	सूर्य 12/08/2025	चंद्र 23/08/2025	मंगल 17/11/2025
लग्न 07/06/2025	सूर्य 21/07/2025	चंद्र 14/08/2025	मंगल 24/08/2025	बुध 18/11/2025
सूर्य 07/06/2025	चंद्र 29/07/2025	मंगल 15/08/2025	बुध 24/08/2025	गुरु 05/12/2025
चंद्र 08/06/2025	मंगल 06/08/2025	बुध 15/08/2025	गुरु 26/08/2025	शुक्र 08/12/2025
मंगल 08/06/2025	बुध 06/08/2025	गुरु 17/08/2025	शुक्र 26/08/2025	शनि 11/12/2025

सूर्य	चंद्र	मंगल	मंगल	मंगल
11/12/2025	**27/02/2026**	**18/04/2026**	**18/04/2026**	**18/04/2026**
27/02/2026	**18/04/2026**	**06/06/2026**	**06/06/2026**	**06/06/2026**
सूर्य 28/12/2025	चंद्र 06/03/2026	मंगल 25/04/2026	मंगल 25/04/2026	मंगल 25/04/2026
चंद्र 07/01/2026	मंगल 13/03/2026	बुध 25/04/2026	बुध 25/04/2026	बुध 25/04/2026
मंगल 18/01/2026	बुध 13/03/2026	गुरु 03/05/2026	गुरु 03/05/2026	गुरु 03/05/2026
बुध 18/01/2026	गुरु 21/03/2026	शुक्र 04/05/2026	शुक्र 04/05/2026	शुक्र 04/05/2026
गुरु 31/01/2026	शुक्र 22/03/2026	शनि 06/05/2026	शनि 06/05/2026	शनि 06/05/2026
शुक्र 02/02/2026	शनि 24/03/2026	लग्न 20/05/2026	लग्न 20/05/2026	लग्न 20/05/2026
शनि 04/02/2026	लग्न 08/04/2026	सूर्य 30/05/2026	सूर्य 30/05/2026	सूर्य 30/05/2026
लग्न 27/02/2026	सूर्य 18/04/2026	चंद्र 06/06/2026	चंद्र 06/06/2026	चंद्र 06/06/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

राहु		गुरु		शनि		बुध		केतु	
06/06/2025		31/07/2025		17/09/2025		14/11/2025		05/01/2026	
31/07/2025		17/09/2025		14/11/2025		05/01/2026		26/01/2026	
राहु	14/06/2025	गुरु	06/08/2025	शनि	27/09/2025	बुध	22/11/2025	केतु	06/01/2026
गुरु	21/06/2025	शनि	14/08/2025	बुध	05/10/2025	केतु	25/11/2025	शुक्र	10/01/2026
शनि	30/06/2025	बुध	21/08/2025	केतु	08/10/2025	शुक्र	03/12/2025	सूर्य	11/01/2026
बुध	08/07/2025	केतु	24/08/2025	शुक्र	18/10/2025	सूर्य	06/12/2025	चंद्र	13/01/2026
केतु	11/07/2025	शुक्र	01/09/2025	सूर्य	21/10/2025	चंद्र	10/12/2025	मंगल	14/01/2026
शुक्र	20/07/2025	सूर्य	03/09/2025	चंद्र	26/10/2025	मंगल	13/12/2025	राहु	17/01/2026
सूर्य	23/07/2025	चंद्र	07/09/2025	मंगल	29/10/2025	राहु	21/12/2025	गुरु	20/01/2026
चंद्र	28/07/2025	मंगल	10/09/2025	राहु	07/11/2025	गुरु	28/12/2025	शनि	23/01/2026
मंगल	31/07/2025	राहु	17/09/2025	गुरु	14/11/2025	शनि	05/01/2026	बुध	26/01/2026

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		मंगल	
26/01/2026		28/03/2026		15/04/2026		16/05/2026		16/05/2026	
28/03/2026		15/04/2026		16/05/2026		06/06/2026		06/06/2026	
शुक्र	05/02/2026	सूर्य	29/03/2026	चंद्र	18/04/2026	मंगल	17/05/2026	मंगल	17/05/2026
सूर्य	09/02/2026	चंद्र	31/03/2026	मंगल	20/04/2026	राहु	20/05/2026	राहु	20/05/2026
चंद्र	14/02/2026	मंगल	01/04/2026	राहु	24/04/2026	गुरु	23/05/2026	गुरु	23/05/2026
मंगल	17/02/2026	राहु	03/04/2026	गुरु	28/04/2026	शनि	27/05/2026	शनि	27/05/2026
राहु	26/02/2026	गुरु	06/04/2026	शनि	03/05/2026	बुध	30/05/2026	बुध	30/05/2026
गुरु	06/03/2026	शनि	09/04/2026	बुध	08/05/2026	केतु	31/05/2026	केतु	31/05/2026
शनि	16/03/2026	बुध	11/04/2026	केतु	09/05/2026	शुक्र	03/06/2026	शुक्र	03/06/2026
बुध	25/03/2026	केतु	12/04/2026	शुक्र	14/05/2026	सूर्य	04/06/2026	सूर्य	04/06/2026
केतु	28/03/2026	शुक्र	15/04/2026	सूर्य	16/05/2026	चंद्र	06/06/2026	चंद्र	06/06/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - बुध - शनि	
05/12/2025 15:58	
23/01/2026 19:44	
शनि	13/12/2025 10:46
बुध	20/12/2025 09:54
केतु	23/12/2025 06:43
शुक्र	31/12/2025 11:21
सूर्य	02/01/2026 22:20
चंद्र	07/01/2026 00:39
मंगल	09/01/2026 21:28
राहु	17/01/2026 06:26
गुरु	23/01/2026 19:44

सूर्य - केतु - केतु	
23/01/2026 19:44	
31/01/2026 06:42	
केतु	24/01/2026 06:10
शुक्र	25/01/2026 12:00
सूर्य	25/01/2026 20:57
चंद्र	26/01/2026 11:52
मंगल	26/01/2026 22:18
राहु	28/01/2026 01:09
गुरु	29/01/2026 01:01
शनि	30/01/2026 05:21
बुध	31/01/2026 06:42

सूर्य - केतु - शुक्र	
31/01/2026 06:42	
21/02/2026 14:03	
शुक्र	03/02/2026 19:56
सूर्य	04/02/2026 21:30
चंद्र	06/02/2026 16:07
मंगल	07/02/2026 21:56
राहु	11/02/2026 02:38
गुरु	13/02/2026 22:49
शनि	17/02/2026 07:47
बुध	20/02/2026 08:14
केतु	21/02/2026 14:03

सूर्य - केतु - सूर्य	
21/02/2026 14:03	
27/02/2026 23:28	
सूर्य	21/02/2026 21:44
चंद्र	22/02/2026 10:31
मंगल	22/02/2026 19:27
राहु	23/02/2026 18:28
गुरु	24/02/2026 14:55
शनि	25/02/2026 15:13
बुध	26/02/2026 12:57
केतु	26/02/2026 21:54
शुक्र	27/02/2026 23:28

सूर्य - केतु - चंद्र	
27/02/2026 23:28	
10/03/2026 15:08	
चंद्र	28/02/2026 20:46
मंगल	01/03/2026 11:41
राहु	03/03/2026 02:02
गुरु	04/03/2026 12:07
शनि	06/03/2026 04:36
बुध	07/03/2026 16:49
केतु	08/03/2026 07:44
शुक्र	10/03/2026 02:21
सूर्य	10/03/2026 15:08

सूर्य - केतु - मंगल	
10/03/2026 15:08	
18/03/2026 02:06	
मंगल	11/03/2026 01:35
राहु	12/03/2026 04:25
गुरु	13/03/2026 04:17
शनि	14/03/2026 08:37
बुध	15/03/2026 09:59
केतु	15/03/2026 20:25
शुक्र	17/03/2026 02:15
सूर्य	17/03/2026 11:12
चंद्र	18/03/2026 02:06

सूर्य - केतु - राहु	
18/03/2026 02:06	
06/04/2026 06:19	
राहु	20/03/2026 23:08
गुरु	23/03/2026 12:30
शनि	26/03/2026 13:22
बुध	29/03/2026 06:34
केतु	30/03/2026 09:25
शुक्र	02/04/2026 14:07
सूर्य	03/04/2026 13:08
चंद्र	05/04/2026 03:29
मंगल	06/04/2026 06:19

सूर्य - केतु - गुरु	
06/04/2026 06:19	
23/04/2026 07:24	
गुरु	08/04/2026 12:52
शनि	11/04/2026 05:38
बुध	13/04/2026 15:35
केतु	14/04/2026 15:27
शुक्र	17/04/2026 11:38
सूर्य	18/04/2026 08:05
चंद्र	19/04/2026 18:11
मंगल	20/04/2026 18:02
राहु	23/04/2026 07:24

सूर्य - केतु - शनि	
23/04/2026 07:24	
13/05/2026 13:11	
शनि	26/04/2026 12:19
बुध	29/04/2026 09:08
केतु	30/04/2026 13:28
शुक्र	03/05/2026 22:26
सूर्य	04/05/2026 22:44
चंद्र	06/05/2026 15:13
मंगल	07/05/2026 19:33
राहु	10/05/2026 20:25
गुरु	13/05/2026 13:11

सूर्य - केतु - बुध	
13/05/2026 13:11	
31/05/2026 15:50	
बुध	16/05/2026 02:46
केतु	17/05/2026 04:07
शुक्र	20/05/2026 04:33
सूर्य	21/05/2026 02:17
चंद्र	22/05/2026 14:31
मंगल	23/05/2026 15:52
राहु	26/05/2026 09:04
गुरु	28/05/2026 19:01
शनि	31/05/2026 15:50

सूर्य - शुक्र - शुक्र	
31/05/2026 15:50	
31/07/2026 12:50	
शुक्र	10/06/2026 19:20
सूर्य	13/06/2026 20:23
चंद्र	18/06/2026 22:08
मंगल	22/06/2026 11:21
राहु	01/07/2026 14:30
गुरु	09/07/2026 17:18
शनि	19/07/2026 08:38
बुध	27/07/2026 23:36
केतु	31/07/2026 12:50

सूर्य - शुक्र - सूर्य	
31/07/2026 12:50	
18/08/2026 19:08	
सूर्य	01/08/2026 10:45
चंद्र	02/08/2026 23:16
मंगल	04/08/2026 00:50
राहु	06/08/2026 18:35
गुरु	09/08/2026 05:01
शनि	12/08/2026 02:25
बुध	14/08/2026 16:31
केतु	15/08/2026 18:05
शुक्र	18/08/2026 19:08

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ हैं। जिससे आपकी- विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
06/06/2025 11:21:22 से 07/07/2025 21:37:06 तक

इस मास में आप अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी आपसे पूर्णरूपेण प्रसन्न रहेंगे। अपने मित्रों एवं बन्धुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ कार्य भी सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं पूजा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही कई प्रकार से धन लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्थान या नवीन आवास आदि की भी प्राप्ति कर सकते हैं। इसके साथ ही सर्व प्रकार से शुभ फल होंगे एवं प्रसन्नतापूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिस्त पिछले महीने की असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे।जिससे आप वात रोग से पीड़ित हो सकते हैं तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिससे प्रतिष्ठा में न्यूनता हो सकती है। इस समय अग्नि के द्वारा भी किंचित धन हानि होने की सम्भावना रहेगी।अतः सावधानी पूर्वक समय को व्यतीत करें।

द्वितीय मास
07/07/2025 21:37:06 से 08/08/2025 07:20:02 तक

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिकत शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

08/08/2025 07:20:02 से 08/09/2025 10:06:56 तक

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे फलतः आप कार्यक्षेत्र में प्रोन्नति प्राप्त करेंगे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्योंको भी सम्पन्न करेंगे साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सिद्ध होंगे। फलतः आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों में आपकी श्रद्धा होगी तथा इनकी पूजा एवं सेवा में भी आप तत्पर रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा यश भी दूर दूर तक फैलेगा। इसके साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभ योग बनते रहेंगे। इस समय आप नवीन स्थान या गृह आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त पिछली असफल आशाओं को पूर्ण करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप पुत्र एवं स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ, महत्वपूर्ण एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा जिसमें आपको अपने असफल कार्यों में भी सफलता प्राप्त होगी।

चतुर्थ मास

08/09/2025 10:06:56 से 09/10/2025 01:37:34 तक

यह मास आपके लिए समान्यता अशुभ रहेगा। इस समय आपको शत्रुओं से भय बना रहेगा तथा मन में चिन्ता व्याप्त रहेगी साथ ही आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। इस समय आप अनावश्यक रूप से धन व्यय करेंगे एवं धर्म के प्रति भी आपके मन की श्रद्धा में अल्पता आएगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक व्याकुलता प्राप्त करेंगे परिणामतः आपके शारीरिक बल में भी न्यूनता आएगी तथा आपको दुर्बलता का आभास होगा। इसके साथ ही इस मास आप दूर की यात्रा भी कर सकते हैं। अपने सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप प्रायः असफल ही रहेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी शिथिल होंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी जाने अनजाने सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में मान हानि हो सकती है। इसके साथ ही आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार से हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

पंचम् मास

09/10/2025 01:37:34 से 08/11/2025 04:43:00 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या

उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास
08/11/2025 04:43:00 से 07/12/2025 21:32:26 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
07/12/2025 21:32:26 से 06/01/2026 08:49:03 तक

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे ।अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा

इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
06/01/2026 08:49:03 से 04/02/2026 20:35:43 तक

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिबृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

नवम् मास
04/02/2026 20:35:43 से 06/03/2026 14:48:24 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय

संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

दशम् मास
06/03/2026 14:48:24 से 05/04/2026 19:50:14 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास
05/04/2026 19:50:14 से 06/05/2026 13:20:20 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा फिर भी अल्प मात्रा में शुभ फल अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपके दुश्मन बलवान रहेंगे तथा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे फलतः आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अत्यंत ही परिश्रम से सफल होंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर रहेंगे। शारीरिक रूप से भी आप दुर्बल रहेंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव अल्प ही रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप अल्प मात्रा में ही पूजन तथा सेवा करेंगे। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे तथा शरीर में दुर्बलता का भाव रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। आपके पारिवारिक कार्य

भी इस समय असफल रहेंगे एवं मुकद्दमे आदि में धन व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने बुद्धिचातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सामान्य धन तथा सुखार्जन करके आप प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे।

द्वादश मास
06/05/2026 13:20:20 से 06/06/2026 17:36:32 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगे।साथ ही बन्धु तथा मित्र वर्ग से मधुर तथा घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा दूसरे लोगों की भलाई के कार्यो में भी आप तत्पर रहेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे।अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को मन से स्वीकार करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक फैलेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं। साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में स्त्री तथा पुत्र से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या वस्तुओं को अर्जित कर सकते है। इस प्रकार आप आनन्द पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।